भारत - क्यूबा संबंध

राजनीतिक संबंध :

भारत - क्यूबा संबंध परंपरागत रूप से गर्मजोशीपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। 1959 की क्रांति के बाद क्यूबा को मान्यता देने वाले पहले देशों में भारत भी शामिल था। दोनों देशों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे कि यू एन, नाम, डब्ल्यू टी ओ आदि में एक - दूसरे के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए हुए हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा के उन संकल्पों का समर्थन करता है जिनमें संयुक्त राज्य से क्यूबा के खिलाफ प्रतिबंधों को हटाने का आह्वान किया गया है। क्यूबा संयुक्त राष्ट्र को लोकतांत्रिक बनाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के संबंध में भारत के विचारों से सहमत है। इसका यह भी मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सुधार समग्र सुधार प्रक्रिया का केंद्र बिंदु है। क्यूबा पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत को शामिल किए जाने का समर्थन करता है। क्यूबा ने अनेक बार सार्वजनिक तौर पर अपना समर्थन व्यक्त किया है।

2. 2008 में, भारत सरकार ने 62 मिलियन अमरीकी डालर के मूलधन एवं ब्याज को बट्टे खाते में डाल दिया जो 1.28 बिलियन रूपए के समतुल्य है जिसके लिए क्यूबा भारत का ऋणी था। यह दान क्यूबा के मैत्रीपूर्ण लोगों के लिए भाई-चारे के एक उपाय के रूप में था। भारत ने क्यूबा को उस समय भी सहायता प्रदान की जब 1990 के दशक के पूर्वार्ध में यह गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था। अगस्त एवं सितंबर, 2008 के दौरान गुस्ताव, इके एवं पलोमा नामक चक्रवात से भारी मात्रा में नुकसान को देखते हुए भारत ने क्यूबा को नकद रूप में 2 मिलियन अमरीकी डालर की आपदा राहत सहायता के लिए मंजूरी प्रदान की।

3. वर्ष 1959 में क्यूबा क्रांति के बाद राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष के स्तर पर दोनों देशों के बीच अनेक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय यात्राओं का आदान - प्रदान हुआ है। क्यूबा की क्रांति के तुरंत बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली में चेग्वेरा की अगवानी की तथा न्यूयार्क में राष्ट्रपति फिडेल कास्त्रो से मुलाकात की। उन्होंने तुरंत आपसी रिश्ते विकसित कर लिए। इसके बाद, प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी एवं प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने क्रमश: 1985 और 2006 में क्यूबा की यात्रा की। माननीय उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ अक्टूबर, 2013 में क्यूबा का राजकीय दौरा किया था। तत्कालीन विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने जून 2012 में हवाना का दौरा किया था। क्यूबा की ओर से राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो ने 1973 और 1983 में और चेग्वेरा ने 1959 में भारत का दौरा किया।

क्यूबा के विदेश मंत्री श्री ब्रूनो रोड्रिगेज ने मई, 2013 में भारत का दौरा किया था। पहले उप राष्ट्रपति श्री मीगुएल डियाज कानेल बरमुडेज ने मार्च 2015 में भारत का दौरा किया।

4. भारत और क्यूबा द्वारा द्विपक्षीय व्यापार, सांस्कृतिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानकीकरण, खेल, नवीकरणीय ऊर्जा एवं उपभोक्ता संरक्षण तथा सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के लिए करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम करार तथा प्रसार भारती एवं क्यूबा रेडियो एवं टेलीविजन संस्थान के बीच प्रसारण के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर 2013 में किए गए। भारत और क्यूबा के बीच राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए करार पर हस्ताक्षर मार्च 2015 में किए गए। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा क्यूबा के बायो क्यूबा फार्मा के बीच जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू को अंतिम रूप दे दिया गया है।

वाणिज्यिक संबंध :

5. भारत - क्यूबा द्विपक्षीय व्यापार जो 1980 के दशक में वार्षिक आधार पर 300 मिलियन अमरीकी डॉलर के आसपास हुआ करता था, में पूर्व यू एस एस आर के पतन तथा 1990 के दशक में भारत की आर्थिक नीतियों में परिवर्तन के बाद भारी गिरावट आई है। व्यापार के नवीनतम उपलब्ध आंकड़े इस प्रकार हैं :

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

क्र. सं.	वर्ष	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
1.	**निर्यात**	25.51	36.67	35.82	35.53	37.32
2.	**आयात**	1.12	3.99	3.95	2.40	1.57
3.	**कुल व्यापार**	26.63	40.66	39.77	37.93	38.89
4.	**व्यापार संतुलन**	24.39	32.68	31.87	33.13	35.75

स्रोत *:* वाणिज्य विभाग*,* वाणिज्य मंत्रालय

6. भारत की ओर से क्यूबा को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से भेषज उत्पाद, जैविक रसायन, प्लास्टिक एवं रबर की वस्तुएं तथा यांत्रिक उपस्कर आदि शामिल हैं, जबकि भारत द्वारा क्यूबा से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से भेषज उत्पाद, तंबाकू की वस्तुएं, कच्ची खाल एवं त्वचा, लेदर आदि शामिल हैं।

7. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। जैव प्रौद्योगिकी एवं साफ्टवेयर अंत:क्रिया के प्रमुख क्षेत्र हैं। कैंसर के उपचार के लिए मोनोक्लोनल एंटीबाडीज पर भारतीय कंपनी बायोकॉन तथा क्यूबा के सीआईएमएबी के बीच सक्रिय सहयोग है। क्यूबा के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डा. फिडेल कास्त्रो जूनियर ने सितंबर 2014 में भारत का दौरा किया।

8. **आई टी ई सी** : यह कार्यकम द्विपक्षीय सहयोग का एक प्रमुख घटक है। क्यूबा को हर साल आई टी ई सी के 60 स्लॉट आबंटित किए जाते हैं जिनका पूर्ण रूपेण उपयोग किया जाता है। 1989 से अब तक क्यूबा के 671 नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में भारत में प्रशिक्षण दिया गया है। वर्ष 1995 में आई टी ई सी के तहत क्यूबा को 5 किलोवाट का एक सोलर पावर प्लांट दान में दिया गया। इसके बाद 5 लाख रूपए मूल्य की सहायता से अधिष्ठापन पश्चात अतिरिक्त पुर्जों के लिए एकबारगी सहायता प्रदान की गई। भारत ने दो साल के लिए क्यूबा को एक आईटी केंद्र - भारत - क्यूबा ज्ञान केंद्र दान में दिया और आगे चलकर इसे एक और साल के लिए बढ़ा दिया गया। यह जुलाई, 2010 में पूरा हो गया तथा इसके तहत विभिन्न धाराओं में क्यूबा के 1900 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षण दिया गया। इसे केंद्र को एन आई आई टी द्वारा कार्यान्वित किया गया।

सांस्कृतिक संबंध :

9. क्यूबा में भारतीय संस्कृति को खूब सराहा जाता है। योग एवं विपासना ध्यान किया जाता है तथा योग क्यूबा सरकार की स्वास्थ्य पाठ्यचर्या का हिस्सा है। श्री श्री रवि शंकर / आर्ट ऑफ लिविंग तथा इस्कॉन के भी अनेक अनुयायी हैं। आयुर्वेद एवं भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा में रूचि बढ़ रही है। हर साल टैगोर की वर्षगांठ मनाई जाती है। 7 मई, 2007 को, आई सी सी आर द्वारा दान में दी गई टैगारे की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण ओल्ड हवाना में किया गया। मई, 2011 को गुरूदेव टैगोर की 150वीं वर्षगांठ पर एक नृत्य नाटिका समर्पित थी। गुरूदेव के जीवन पर एक पेंटिंग प्रदर्शनी एवं सेमिनार का भी आयोजन किया गया। आईसीसीआर द्वारा प्रायोजित एक 6 सदस्यीय भारतीय आधुनिक फ्यूजन मंडली "नाद ब्रह्म" ने दिसंबर, 2011 के दौरान क्यूबा के जाज महोत्सव में भाग लिया। हवाना में महात्मा गांधी की एक आवक्ष प्रतिमा तथा मदर टेरेसा की एक प्रतिमा है। महात्मा गांधी, नेहरू एवं टैगोर को क्यूबा में एक विशेष स्थान प्राप्त है। भारतीय नृत्य, संगीत एवं सिनेमा की गहराई एवं वैराइटी के बारे में क्यूबा के लोगों को अच्छी तरह पता है। हाउस ऑफ एशिया इन हवाना भारत पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों -

प्रदर्शनी, फिल्म शो, वार्ता - का नियमित रूप से आयोजन करता है। कासा डि एशिया में लाइब्रेरी का नाम रवींद्रनाथ टैगोर के नाम पर रखा गया है।

10. अक्टूबर 2013 में उप राष्ट्रपति की क्यूबा यात्रा के दौरान हवाना में 24 अक्टूबर से 4 नवंबर तक भारतीय सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 7 घटक शामिल थे : अभिनय कला, नेशनल होटल में भारतीय खाद्य महोत्सव; चार्ली चैपलिन थिएटर में भारतीय फिल्म महोत्सव, एल ए बी ए में साहित्यिक कार्यक्रम जिसमें साहित्य अकादमी के प्रख्यात कवियों एवं लेखकों ने भाग लिया; ए एल बी ए में कला प्रदर्शनी तथा क्यूबा के टीवी चैनलों पर भारतीय फिल्में।

11. 12 से 22 फरवरी, 2015 के दौरान आयोजित प्रतिष्ठित हवाना इंटरनेशनल बुक फेयर के लिए भारत 'गेस्ट ऑफ ऑनर कंट्री' था। भारत पहला एशियाई देश है जिसे यह दुर्लभ सम्मान प्रदान किया गया है।

खेल के क्षेत्र में सहयोग :

12. तत्कालीन खेल मंत्री मणिशंकर अय्यर की वर्ष 2007 के पूर्वार्ध में क्यूबा यात्रा के दौरान खेल के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। भारतीय एमेचर मुक्केबाजी संघ तथा सेना खेल संस्थान, पुणे ने बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कुश्ती, जूडो एवं गोताखोरी में क्यूबा के कोचों को नियमित आधार पर हायर किया है। क्यूबा के विशेषज्ञों की कोचिंग से ओलम्पिक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ी पदक जीतने में सफल हुए हैं। जनवरी - फरवरी, 2011 में हवाना, क्यूबा में क्यूबाडेपोर्टेस में पूरे भारत से 54 हाई परफार्मेंस एवं कम्युनिटी कोचों के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण तथा पंचायत खेलकूद प्राधिकरण (पी वाई के के ए) द्वारा 4 से 6 सप्ताह के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रायोजित किया गया तथा अप्रैल - मई 2012 में 22 खिलाड़ियों के एक और बैच को प्रायोजित किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्री अजय माकन के नेतृत्व में एक 6 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 12 से 15 फरवरी, 2012 के दौरान क्यूबा का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान 3 साल की अवधि के लिए खेल में सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत द्वारा जनवरी - फरवरी, 2013 के दौरान प्रशिक्षण के लिए खेल के विभिन्न क्षेत्रों से 32 कम्युनिटी कोचों को क्यूबा भेजा गया। नवंबर, 2013 में एस्ट्रो टर्फ हॉकी के मैदान के विकास के लिए भारत ने उपहार के रूप में एक मिलियन अमरीकी डालर की राशि प्रदान की।

भारतीय समुदाय :

13. क्यूबा में भारतीय समुदाय की संख्या बहुत कम है। इसमें ईसाई चैरिटी मिशन की कुछ सिस्टर्स जो इस तरह के चैरिटी संगठनों में काम करती हैं, 7 चिकित्सा छात्र तथा दो पी आई ओ शामिल हैं जिन्होंने क्यूबा के नागरिकों से शादी कर ली है तथा हवाना में बस गए हैं। इसके अलावा, भारतीय मूल के कुछ व्यापारी हैं। भारतीय समुदाय के तीसरे घटक के तहत भारतीय मूल के व्यक्ति, भारतीयों के वंशज शामिल हैं जो जमैका तथा वेस्टइंडीज के अन्य भागों से गन्ने के खेतों पर काम करने के लिए 20वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में क्यूबा आए थे। वे मुख्य रूप से पूर्वी क्यूबा के ग्वांटानामो प्रांत में बसे हैं। ये लोग स्थानीय संस्कृति में पूरी तरह घुल-मिल गए हैं, हालांकि कुछ लोग आज भी भारतीय नाम रखे हुए हैं। भारतीय मूल के ऐसे व्यक्तियों की संख्या 200 के आसपास है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, हवाना की वेबसाइट :
http://eoi.gov.in/havana
भारतीय दूतावास, हवाना का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/indianembassyhavana
भारतीय दूतावास, हवाना का ट्विटर लिंक :
@EOIHavana

***

फरवरी 2016